शैक्षिक

प्रदत्त कार्यक्रम

नूतन शैक्षिक पहल

छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ

अतिथि प्राध्यापक

विशिष्ट अभ्यागत

सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला

आमंत्रित व्याख्यान

प्रमुख अभ्यागत

पाठ्यक्रमेतर विषयों पर पाठ्यक्रम

प्रदत्त कार्यक्रम

अवर-स्नातक

- रासायनिक अभियाँत्रिकी
- विद्युत अभियाँत्रिकी
- याँत्रिकी अभियाँत्रिकी

विद्यावाचस्पति

- रासायनिक अभियाँत्रिकी
- रसायनशास्त्र
- सिविल अभियाँत्रिकी
- संज्ञानात्मक विज्ञान
- अर्थशास्त्र
- विद्युत अभियाँत्रिकी
- अंग्रेजी
- गणित
- दर्शनशास्त्र
- भौतिकी
- समाजशास्त्र

नई शैक्षिक पहल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर शिक्षा जगत में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ साथ एक नई धारा का प्रणयन करने की आकांक्षा रखता है । इस प्रयास में हम अपने लक्ष्य और दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में नित-नये प्रयोग करने और नई पहल को प्रोत्साहित और प्रेरित करते हैं । इस दिशा में हाल ही में उठाए गये कुछ कदमों का उल्लेख निचे किया जा रहा है ।

बुनियाद निर्माण कार्यक्रम

संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2011 के माध्यम से संस्थान के अवर-स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले संस्थान के छात्रों के नये बैच से आरंभ करके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर अपने छात्रों के लिए प्रथम सत्र में ही एक बुनियाद निर्माण कार्यक्रम शुरू कर रहा है ताकि संयुक्त प्रवेश परीक्षा की तैयारी जनित दबाव और व्यस्तता के कारण साधारण जीवनशैली से दूर जा चुके छात्रों को सहज अवस्थान्तर के माध्यम से उच्चस्तरीय शिक्षा और एक सभ्य मानव के रूप में सर्वांङ्गिण विकास के लिए सम्यक रूप से तैयार किया जा सके । इस बुनियाद निर्माण कार्यक्रम की रूप-रेखा सोच-समझकर बनाई गयी है ताकि छात्रों को नियमित सत्रों में अपेक्षित गहन पाठ्यक्रमों से पूर्व पाँच सप्ताह की अवधि में जीवन के विभिन्न पक्षों और संस्थान के शैक्षिक माहौल से अवगत कराया जा सके । उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्ष संस्थान ने केवल एक सप्ताह का अभिमुखी कार्यक्रम प्रदान किया जिसमें संचार, थिएटर, शिल्पकला की समझ आदि विषयों पर कार्यशालाओं के साथ-साथ सामूहिक खेलों के प्रति छात्रों को उन्मुख और प्रेरित करने का प्रयास किया गया । गत अनुभवों के आधार पर नये बुनियाद निर्माण कार्यक्रम में अपेक्षित वृद्धि और व्यापकता लाई गयी है ।

शिक्षण प्रशिक्षण परिवेश में सुधार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर इस तथ्य पर विश्वास करता है कि छात्र निकायों की बेहतर समझ से शिक्षण-प्रशिक्षण परिवेश में व्यापक सुधार लाया जा सकता है । इसी बात को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने अवर-स्नातक स्तर पर सभी छात्रों के लिए समेकित मौखिक परीक्षा आरंभ किया है । यह मौखिक परीक्षा साक्षात्कार के रूप में प्राध्यापकों की एक समिति के द्वारा प्रत्येक सत्र में आयोजित की जाती है । इस मौखिक परीक्षा के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा और कमियों का पता लगाकर यथावश्यकता सहायता की जाती है और उन्हें उनके संबंधित क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के विकास के लिए प्रेरित किया जाता है । संस्थान अपेक्षित छात्र को व्यक्तिगत रूप से भी सहायता प्रदान करता है ।

पाठ्यक्रम पहल

सीमित कालावधि और उपलब्ध संकाय संसाधनों के मद्देनजर संस्थान अपने छात्रों को अर्द्ध सत्र पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है । इस ढांचे के अन्तर्गत प्रा. जयंत कानिटकर ने फाइनेंशियल एकाउँटिग एण्ड मैनेजमेंट तथा इंट्रोडक्शन टू फाइनेंशियल इंजिनियरिंग नामक दो पाठ्यक्रम पढ़ाया । प्रा. क्लाउडे पेटिट-पियरे, एकोल पॉलिटेक्निक फेडरेले डे लौसाने (ई पी एफ एल), स्टीजलैंण्ड ने कम्प्यूटर विज्ञान पर एक अर्द्ध सत्र पाठ्यक्रम शैक्षिक वर्ष 2010-11 के दौरान पढ़ाया ।

पर्यवेक्षणरहित परीक्षा

शीत सत्र 2010 के दौरान संस्थान ने पर्यवेक्षणरहित अनेक परीक्षाओं का आयोजन किया । इस नई पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों में उच्च नैतिक मूल्यों और सत्यनिष्ठा के महत्व का प्रतिपादन करना था । छात्रों के द्वारा इसे उत्साहवर्धक प्रतिसाद मिला । इस प्रयोग की सफलता ज्ञात करने के लिए छात्रों के लिए एक प्रतिपुष्टि प्रपत्र बड़ी सावधानीपूर्वक बनाया गया था । छात्रों से प्राप्त प्रतिपुष्टि से उत्साहित होकर संस्थान इस दिशा में और अधिक विचार-विमर्श कर रहा है ताकि इसमें और अधिक सुधार कर के इसे लागू किया जा सके और सभी छात्रों को इस अभियान में शामिल किया जा सके ।

छात्रों की उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धियों को मान्यता

प्रत्येक सत्र में छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्ध्यिों को मान्यता प्रदान की जाती है । 8.5 सी पी आई सहित संस्थान की अनुषद द्वारा निर्धारित कुछ अन्य मानदण्डों को पूरा करने वाले अवर-स्नातक छात्रों को संकायाध्यक्ष सूचि में शामिल किया जाता है । इस सूचि में शामिल प्रत्येक छात्र को संकायाध्यक्ष (शैक्षिक कार्यक्रम) की ओर से एक प्रशस्ति पत्र तथा एक सामयिक पुस्तक प्रदान किया जाता है ।

पढ़ाई सहित कमाई कार्यक्रम

अवर स्नातक छात्रों को पढ़ाई के साथ साथ संस्थान के पुस्तकालय, कम्प्यूटर केन्द तथा छात्रों की असाइनमेंट कॉपियाँ जाँचने आदि के काम का अवसर प्रदान किया जाता है । यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अर्जन करने के साथ ही श्रम की महत्ता प्रदान करने तथा उनमें आत्मविश्वास पैदा करने के उद्देश्य से किया जा रहा है । शैक्षिक वर्ष 2010-11 (शीत सत्र में 22 तथा ग्रीष्म सत्र में 14 छात्रों) ने इस सुविधा का लाभ उठाया ।

शारीरिक शिक्षा पर बल

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है, इस तथ्य पर पूर्णत: विश्वास रखते हुए संस्थान ने अपने छात्रों में खेलकूद और अन्य बाहरी कार्यकलापों के प्रति पुन: रूचि जागृत करने के ध्येय से शारीरिक शिक्षा पर बल देने वाला एक कार्यक्रम तैयार किया है। उल्लेखनीय है कि अनेक छात्र पढ़ाई और प्रतियोगिताओं के दबाव में खेलकूद से दूर रह होते जा रहे हैं। अत: उन्हें पुन: खेलकूद से जोड़ने और उनमें खेलों के माध्यम से स्वाथ्य के प्रति जागृति निर्माण करने के उद्देश्य से उनके पाठ्यक्रम में इसका समावेश किया गया है । इसके लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएँ एवं व्यावहारिक लचीलापन प्रदान किया जाता है ।

सामुदायिक पहुँच

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर अपने आस-पड़ोस के समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव बना रहा है । प्रति सप्ताह संस्थान के छात्रों का एक दल निकटस्थ साकार स्कूल के छठवीं से नौवीं तक के छात्रों के साथ बातचित कर के उन्हें विज्ञान तथा गणित शिक्षा के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं । हाल ही में संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों ने मिलकर आस-पड़ोस में हो रहे निर्माण कार्यों में कार्यरत मजदूरों के परिवारों में उनकी शैक्षिक और चिकित्सकीय जरूरतों के प्रति जागरूकता पैदा करने का एक महत्वकाँक्षी कार्यक्रम आरंभ किया है।

स्नातकोत्तर उपाधिपत्र कार्यक्रम (डी आई आई टी)

स्थानीय तौर पर कार्यरत अभियंताओं और तकनीकी कर्मचारियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की शिक्षा का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने स्नातकोत्तर उपाधिपत्र कार्यक्रम (डी आई आई टी) आरंभ करने की योजना बनाई है । इस कार्यक्रम का लाभ उठाकर संबंधित कार्यरत व्यवसायी अपने शिक्षा स्तर में उत्तरोत्तर संवृद्धि के साथ-साथ अपने नियोक्ताओं को भी समुचित लाभ पहुँचा सकने में सक्षम हो सकेंगे । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यरत व्यवसायी (अभियंता एवं तकनीशियन) अपनी सुविधा के अनुसार संस्थान द्वारा प्रदत्त अपनी रूचि के विषयों का अध्ययन कर सकेंगे । यह कार्यक्रम शीघ्र ही आरंभ कर दिया जाएगा ।

गैर-उपाधि कार्यक्रम

संस्थान ने दूसरे महाविद्यालयों और संस्थानों के छात्रों के लिए पूर्णकालिक और अंशकालिक गैर-उपाधि कार्यक्रम आरंभ किया है ताकि उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के शैक्षिक परिवेश में अंक आधारित पाठ्यक्रम अथवा सतत शिक्षा का लाभ मिल सके । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बाहरी छात्र भी संस्थान द्वारा प्रदत्त विशेषज्ञ पाठ्यक्रमों का सीधे लाभ उठा सकते हैं । शैक्षिक वर्ष 2010-11 के प्रथम सत्र में अन्य संस्थान का एक छात्र इस सुविधा का लाभ उठा चुका है ।

संकाय संगोष्ठी माला

प्रत्येक बुधवार को संस्थान का एक संकाय सदस्य अथवा एक शोध-छात्र अपनी रूचि के विषय पर लगभग आधे घंटे का प्रस्तुतकरण प्रदान करता है । संस्थान के सभी संकाय सदस्यों और शोध-छात्रों द्वारा भाग लिये जाने वाले इस संगोष्ठी कार्यक्रम की रूपरेखा प्रतिभागियों की विविधता को ध्यान में रखते हुए गैर-विशेषज्ञ लोगों के उपयुक्त तैयार किया जाता है । इस प्रकार की संगोष्ठियाँ संस्थान में आपस में विचार-विनिमय और अन्तर्विषयक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए सहायक एवं बहुत उपयोगी हैं । इस संगोष्ठी माला का समन्वयन **प्रा. श्रीराम के. गुण्डिमेडा**, **प्रा. धीरेन मोदी** तथा **प्रा. बिरेश्वर दास** के द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है ।

अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए ग्रीष्मकालिन अनुसंधान अध्येतावृत्ति

अन्य संस्थाओं के संकाय सदस्यों से विचार-विनिमय तथा पारस्परिक आदान-प्रदान को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए एक ग्रीष्मकालिन अनुसंधान अध्येतावृत्ति का शुभारंभ किया है । इस अध्येतावृत्ति के अन्तर्गत अन्य संस्थानों के संकाय सदस्य ग्रीष्मकाल के दौरान भा प्रौ सं गाँधीनगर के संकाय सदस्यों के साथ मिलकर सहयोजित अनुसंधान अथवा शैक्षिक कार्यकलापों पर पारस्परिक आदान-प्रदान कर सकते हैं ।

कर्मचारी दक्षता विकास पहल

संस्थान ने अपने गैर-शिक्षण कर्मचारियों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों अथवा कार्यशालाओं में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अथवा ऑन-लाइन सुविधाओं का उपयोग करके अपनी योग्यता संवर्द्धन एवं दक्षता विकास हेतु प्रेरित करने के लिए कर्मचारी दक्षता विकास कार्यक्रम की पहल किया है । उल्लेखनीय है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से कर्मचारियों के व्यक्तित्व एवं कार्यनिष्पादन क्षमता में निखार आएगा । प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक समाप्ति पर संबंधित कर्मचारी को उसके द्वारा खर्च किए गये पंजीकरण शुल्क की प्रतिपूर्ति कर दी जाती है ।

छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ

योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति

शैक्षिक वर्ष 2010-11 के दौरान संस्थान के सामान्य और अन्य पिछड़े वर्ग के 64 छात्रों को योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति प्रदान की गयी । यह छात्रवृत्ति उन छात्रों को प्रदान की जाती है जिनकी शैक्षिक योग्यता (प्रथम वर्ष में संयुक्त प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अखिल भारतीय रैंक तथा द्वितीय वर्ष से आगे 6.5 सी पी आई) होती है और जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 4.5 लाख या उससे कम होती है । योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों को शिक्षा शुल्क (वर्तमान राशि रू.50000/-) की माफी और दस माह के लिए प्रतिमाह रू. 1000/- नक़द प्रदान किया जाता है । इसके अतिरिक्त 8 छात्र जो योग्यता मानदण्डों को तो पूरा नहीं कर पा रहे थे, किन्तु उन्हें वित्तीय सहायता की नितांत आवश्यकता थी (पाँच छात्रों को पूरे वर्ष के लिए तथा तीन छात्रों को केवल एक सत्र के लिए), उन्हें वर्ष के दौरान शिक्षा शुल्क माफी (फ्रीशीप) प्रदान किया गया ।

अजा / अजजा वर्ग के सभी छात्रों को शिक्षा शुल्क माफ है । इसके अतिरिक्त इस वर्ग के 42 छात्रों को जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति हेतु निर्धारित आय-सीमा से कम थी, उन्हें नि:शुल्क भोजन की सुविधा प्रदान की गयी। ऐसे छात्रों को प्रतिमाह रू.250/- की दर से दस माह तक जेबखर्च भी प्रदान किया जाता है ।

एस.सी.मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

विपुल

अनुषा

वर्ष 2010-11 के दौरान एस.सी. मेहरोत्रा छात्रवृत्ति पाने वालों में **श्री विपुल गोयल** का नया नाम जुड़ गया । द्वितीय वर्ष के सभी आवेदकों में विपुल की सी पी आई (9.67) सर्वाधिक थी । **सुश्री गुन्तुरू अनुषा**, तृतीय वर्ष बी.टेक. छात्रा और गत वर्ष के एस. सी . मेहरोत्रा छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की छात्रवृत्ति समीक्षा वर्ष के दौरान भी जारी रही । इस छात्रवृत्ति के अन्तर्गत प्राप्तकर्ता छात्र को दस माह के लिए प्रतिमाह रू.1500/- प्रदान किया जाता है । संस्थान भी इस छात्र को शिक्षा शुल्क से माफी प्रदान करता है क्योंकि ये छात्र भी योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति हेतु निर्धारित आय-सीमा के प्रावधानों को पूर्ण करते हैं ।

अतिथि प्राध्यापक

निम्नांकित शिक्षाविदों ने संस्थान अनुरोध पर अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्य करने के लिए हमारे प्रस्ताव को स्वीकार किया है । ये प्राध्यापक प्रतिवर्ष कम से कम 10 दिन संस्थान में व्यतित करेंगे और उत्कृष्टता प्रतिपादन के लिए संस्थान के समर्पण में सहयोग करेंगे ।

डॉ. निखिल बलराम । आप, अमरीका स्थित एक अन्तर्राष्ट्रीय कंपनी रिक्को इन्नोवेशन्स इंक के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं । आप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध अन्वेषक एवं प्रदर्शन प्रौद्योगिकी तथा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी के विशेषज्ञ हैं । इस क्षेत्र में आपकी अनुसंधायक सहयोगियों के द्वारा विकसित उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ प्राप्त हुई हैं । आप फारौद्जा, सेज, जेनेसिस माइक्रोचिप, सोनीक्लब, नेशनल सेमिकण्डक्टर एण्ड मार्वेल सेमिकण्डक्टर जैसी अनेक कंपनियों में विभिन्न कार्याकारी पदों पर कार्य कर चुके हैं ।

प्रा. विजय गुप्ता, निदेशक, जी डी गोयनका वर्ल्ड इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली । आप अपने अन्वेषण एवं शिक्षण सहाय्यक पद्धातियों तथा अपने प्रकाशनों और शिक्षणोपयोगी वस्तुओं के लिए प्रख्यात हैं । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में अपने दीर्घकालिन कार्यावधि के दौरान आपने अनेकानेक पाठ्यक्रम पढ़ाया तथा संकायाध्यक्ष (शैक्षिक कार्य) सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों को विभूषित किया । आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से बी.टेक. किया और स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय से सन् 1972 में पीएच.डी. की उपाधि अर्जित की ।

प्रा. सुचित्र माथुर, सह प्राध्यापक, अंग्रेजी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर । आप भारतीय अंग्रेजी साहित्य, नारीवादी एवं औपनिवेषिक सिद्धांत तथा लोकप्रिय संस्कृति अध्ययन के क्षेत्र में शोधानुसंधान एवं शिक्षण करती हैं । इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन सहित आप अपने विषय सहित संचार दक्षता पर देशभर के अनेकानेक शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाओं का भी आयोजन करती रहती हैं । हाल ही में आपने अन्तर्विषक क्षेत्र में विज्ञान अध्ययन पर भी रूचि दर्शाई है । फिलहाल आप अपने संस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केन्द्रित करते हुए लिंग एवं संचार : सार्थक वार्ता विषय पर शोधाध्ययन कर रही हैं ।

डॉ. मैथिली रामस्वामी फिलहाल टाटा मौलिक अनुसंधान केन्द्र, बंगलौर में प्रयोजनमूलक गणित विभाग में प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं । आप इस केन्द्र में संकायाध्यक्ष के पद को विभूषित कर रही हैं । आप देश में आंशिक अवकल समीकरण (Partial Differential Equations), विशेषत: नियंत्रण समस्याओं के विश्लेषण एवं प्रयोजनमूलकता के क्षेत्र में विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात हैं । आपने मुंबई विश्वविद्यालय से बी.एससी और एम.एससी की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् पेरिस विश्वविद्यालय, फ्रांस से पीएचडी की उपाधि अर्जित किया है ।

प्रा.के.एस.गाँधी ने रासायनिक अभियाँत्रिकी में अपनी स्नातक उपाधि आँध्र विश्वविद्यालय से सन् 1962 में अर्जित किया, तदोपरांत सन् 1965 में ओहियो राज्य विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि और सन् 1971 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कली से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त किया । आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सन् 1971 से 86 तक तथा सन 1986 से 2005 तक भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में अध्यापन कार्य किया है। आपके औद्योगिक अनुभव में आपके द्वारा जे.के.पेपर मिल्स, रायगढ तथा पिलिकिंग्टन ब्रदर्स रिसर्च सेंटर, यूके आदि का समावेश है । आप भारतीय रासयनिक अभियंता संस्थान के सदस्य तथा भारतीय विज्ञान अकादमी तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियंता अकादमी के अध्येता हैं ।

प्रा. धीरज सांघी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के प्राध्यापक हैं । आप कम्प्यूटर नेटवर्क, विशेषत: विभिन्न संस्तरों पर प्रोटोकॉल, सचलता, सुरक्षा आदि विषयों में शोधा-ध्ययन करते हैं । आप दो वर्षों तक एल एन मित्तल सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर के निदेशक पद पर भी कार्य कर चुके हैं । आप भारत में तकनीकी शिक्षा के प्रति जागृत रहते हैं और विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं और ब्लॉग में इस के संबंध में लिखा करते हैं । आप ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से बी.टेक. तथा मेरीलैण्ड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क से एमएस और पीएचडी की उपाधि अर्जित किया है।

विशिष्ट अभ्यागत

विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा क्षेत्र के विशिष्ट अतिथियों के अभ्यागमन से संस्थान के छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को प्रोत्साहन और प्रेरणा मिलती है । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर इन विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित करके अथवा इस क्षेत्र में उनकी यात्राओं का सुअवसर देखकर उन्हें संस्थान में आमंत्रित कर के समय-समय पर विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन करता रहता है । इनके आगमन पर छात्रों और संकाय सदस्यों से इनसे मुलाकात और पारस्परिक आदान-प्रदान करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाता है । वर्ष 2010-11 के दौरान संस्थान में अभ्यागत कुछ विशिष्ट अतिथियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है ।

प्रा. देवांग खक्खर, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, 14 अप्रैल 2010 को संस्थान में आयोजित रासायनिक अभियाँत्रिकी संकाय चयन समिति में भाग लेने के लिए पधारे थे । प्रा. खक्खर के आगमन का लाभ उठाते हुए संस्थान के संकाय सदस्यों की उनके साथ एक अनौपचारिक बैठक का आयोजन किया गया ताकि आपस में विचार विनिमय किया जा सके । प्रा. खक्खर संस्थान के आरंभिक दिनों मे इसके पालक निदेशक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

प्रा. रघुनाथ के. शेवगाँवगर, उपकुलपति, पुणे विश्वविद्यालय, 16 अप्रैल 2010 को संस्थान में आयोजित विद्युत अभियाँत्रिकी संकाय चयन समिति में भाग लेने के लिए पधारे थे । आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर से तबसे जुड़े हैं जब आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में उपनिदेशक के पद पर विभूषित थे ।

श्री कुशल सचेती, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गलक्सी, न्यूयार्क स्थित एक हीरा व्यापार कंपनी, ने 3 मई 2010 को संस्थान का दौरा किया । श्री सचेती, शिक्षा के क्षेत्र में रूचि रखने वाले एक लोकप्रिय दानदाता हैं । आप ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से अपने एम.टेक. की उपाधि अर्जित की है । आप ने बिट्स पिलानी में रेगिस्तान विकास प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना किया है जहाँ से आप ने रासायनिक अभियाँत्रिकी में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की थी । आप अन्य अनेक शैक्षणिक एवं मानवीकीय उद्देश्यों के लिए दान देते रहे हैं ।

प्रा. चित्रा बनर्जी दिवाकरूनी, सृजनात्मक लेखन कार्यक्रम, ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, 15 पुस्तकों की लेखिका हैं । आपका सृजनात्मक लेखन अटलाँटिक मासिक, द न्यू यार्कर आदि समेत दुनियाभर के 50 से भी अधिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुका है । 50 से अधिक संकलन प्रकाशित हैं जो 13 भाषाओं में अनूदित भी हो चुके हैं । आप मैत्री एवं दया के बोर्ड पर भी कार्यरत हैं । ये दोनो संगठन दक्षिण एशियन एवं दक्षिण एशियन अमरीकी महिलाएँ जो शोषण एवं घरेलु हिंसा की शिकार होती हैं, उनकी मदद करते हैं ।

श्री हर्ष मांगलिक, जनवरी 2011 से एक्सेंचर इंडिया प्रा.लि. के सह-अध्यक्ष तथा नैस्कॉम (2010-11) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष हैं। आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से बी.टेक. तथा केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर उपाधि तथा कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. की उपाधि अर्जित किया है ।

डॉ. शैलेश नायक, सचिव, भू-विज्ञान विभाग, जिन्होंने महाराज सयाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय, बड़ौदा से सन् 1980 में विद्यावाचस्पति की उपाधि अर्जित किया है , विविध प्रतिभाओं के धनी व्यक्ति हैं । आपका भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (1977-2006) तथा भारतीय राष्ट्रीय समुद्र सूचना सेवा केन्द्र (2006-2008) में उल्लेखनीय कार्य करने का 29 वर्षों का सुदीर्घ करिअर रिकार्ड है । आपने 9 अक्तूबर 2010 को संस्थान का दौरा किया और अमल्थिया 2010 कार्यक्रम का उद्घाटन किया ।

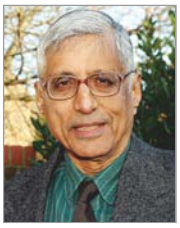

प्रा. राजमोहन गाँधी, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और सी राजगोपालाचारी के पौत्र,पूर्व राज्य सभा सदस्य और फिलहाल इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अर्बाना शैंपेन के अनुसंधान प्राध्यापक ने 4 एवं 5 जनवरी 2011 को संस्थान का दौरा किया । प्रा. गाँधी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम एवं उसके नेता, भारत-पाक संबंध, मानवाधिकार एवं विवाद संकल्प आदि विषयों पर व्यापक लेखन कार्य किया है । सन् 2002 में आप को **राजाजी** शीर्षक पर सी. राजगोपालाचारी की आत्मकथा लिखने के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया । सन् 2004 में आपको शैंपेन शहर की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी पुरस्कार (मानवाधिकार) से सम्मानित किया गया । आप सन् 1964 से सन् 1981 तक **हिम्मत** नामक समाचार पत्र के सम्पादक भी रहे हैं ।

अन्य अभ्यागत

समीक्षा वर्ष के दौरान संस्थान का दौरा करने वाले अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों में निम्नांकित का नाम भी शामिल है

प्रा. सी.एस.देसाई, अरिजोना विश्वविद्यालय, अमरीका; प्रा.नीतिश ठक्कर, जॉन हॉफ्किन्स विश्वविद्यालय, अमरीका; प्रा. श्याम सुन्दर, येल विश्वविद्यालय, अमरीका; प्रा. डी.वी.एस.जैन, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; प्रा. दीपन घोष, प्रा. शिव प्रसाद तथा प्रा. कुशल देब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई; प्रा.लीलावती कृष्णन, प्रा. अश्विनी कुमार तथा प्रा.मनिन्दर अग्रवाल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर; प्रा.मिहिर रावेल, ओलिन कॉलेज, अमरीका; प्रा. एस.पी.शाह, नार्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय, अमरीका; प्रा. संदीप गुप्ता, अरिजोना राज्य विश्वविद्यालय, अमरीका; डॉ. प्रवीण के.मलहोत्रा, स्ट्राँग मोशन्स इंक. अमरीका; डॉ. करेन चाड, सास्केचवान विश्वविद्यालय, कनाडा तथा प्रा. एम.वी.पित्के, टाटा मौलिक अनुसंधान केन्द्र मुंबई के पूर्वकार्यरत ।

सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला

विभिन्न विषयों पर आयोजित होने वाले सम्मेलन, अल्पावधि पाठ्यक्रम, परिसंवाद एवं कार्यशालाएँ आदि महत्वपूर्ण शैक्षिक कार्यकलाप हैं जो कि संबंधित विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करती हैं । इनमें से अनेक कार्यकलापों में बाहरी संस्थान भी भाग लेते हैं । इससे बाहरी दुनिया में भी संस्थान को ख्याति मिलती है । शैक्षिक वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नांकित गतिविधियाँ आयोजित की गई:

- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

  प्रज्ञान, अनुभूति एवं सृजनात्मकता विषय पर संस्थान का पहला अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 29-30 अक्तूबर, 2010 के दौरान आयोजित किया गया था । इस सम्मेलन के संयोजक थे **प्रा. जेसन ए. मंजली**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर एवं **प्रा. बिपिन इंदुर्ख्या**, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद । इस सम्मेलन में भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमरीका, संयुक्त राज्य, आयर्लैण्ड, फ्रांस, इटली, बुल्गेरिया, जापान, कनाडा तथा पूर्तगाल से कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया । नौ वैज्ञानिक सत्रों एवं एक पोस्टर सत्र में प्रतिभागी विद्वानों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों से संबंधित कुल पैंतालीस अभिपत्र प्रस्तुत किए । इस अवसर पर छात्रों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसका शीर्षक था **यंत्र मानव द्वारा महसूस किया जाने वाला दर्द कैसा होगा !** बहुत से छात्रों ने इसमें भाग लिया । इस निबंध प्रतियोगिता का रू. 3000 का प्रथम पुरस्कार भा प्रौ सं गाँधीनगर के बी.टेक. छात्र **अनु विवेक** को मिला । इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एम एस सी छात्र **अमित गोल्डी** को रू. 2000/- का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ । सम्मेलन के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की गयी थी ।

- **ब्रह्माण्डविज्ञान पर कार्यशाला (कॉस्मो-2010)**

  कॉस्मॉस सफारी नई दिल्ली के सौजन्य से 10-11 अप्रैल 2010 के दौरान कॉस्मॉलॉजी पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी थी । इस कार्यशाला में अनेक व्याख्यान, फिल्म प्रदर्शन और तारक - दर्शन पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गये थे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, धीरूभाई अंबानी सूचना एवं कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी संस्थान तथा निरमा विश्वविद्यालय के 100 से भी अधिक छात्रों ने इसमें भाग लिया । प्रवक्ताओं में **डॉ. संतोष वड़ावाला**, **डॉ.पी.जनार्दन** (भौ अ प्र अहमदाबाद), **प्रा. अतुल गुर्तु** (टामौअसं, मुंबई), **डॉ. सी.के.राजु** (सभ्याता अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली), **डॉ. अरविंद परांजपे** (आई यू सी ए ए, पुणे), **डॉ. अरविंद रानाडे** (विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली), **प्रा. डी.एस.कुलश्रेष्ठ** (दिल्ली विश्वविद्यालय), **डॉ. अनिल कुलकर्णी** (इसरो, अहमदाबाद), **श्री संदीप निगम** (कॉसमॉस सफारी, नई दिल्ली), **डॉ. अमीय भागवत** तथा **डॉ. पल्लवी घलसासी**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का समावेश है ।

- **प्रा.जेड.जेड.पैण्टर**, विश्वकर्मा शासकीय अभियाँत्रिकी महाविद्यालय (वीजीईसी) चाँदखेड़ा के संयुक्त तत्वावधान में **प्रा. नितीन पढियार**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने वी जी ई सी के छात्रों के लिए अप्रैल 15-16 2010 के दौरान **मेटलैब का उपयोग कर रासायनिक अभियाँत्रिकी में अभिकलनीय पद्धति पर एक कार्यशाला का आयोजन** किया था।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के छात्रों हेतु मई 2-5, 2010 के दौरान ऑटोडेस्क इंडिया (प्रा) लिमिटेड के **श्री रमेश एस. पुडाले** के द्वारा **ऑटोडेस्क इन्वेंटर का उपयोग कर डिजिटल प्रोटोटाइपिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन** किया गया था।

- मई 14-15, 2010 के दौरान सी-डैक मुंबई, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर और सिटी यूनिवर्सिटी, लंदन के संयुक्त तत्वावधान में क्रांतिक राष्ट्रीय अवसंरचना सुरक्षा विषय पर भारत-संरा कार्यशाला का आयोजन किया गया था। भा प्रौ सं गाँधीनगर के **प्रा. धीरेन पटेल** इस कार्यशाला के अध्यक्ष थे। ,भारतीय सांख्यिकी संस्थान कोलकाता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, टी सी एस, ए बी बी, आई बी एम, सी-डैक, एन आई ए, डी आई टी, एअर टाइट नेटवर्क्स, एच डी एफ सी बैंक, सेक्योर मैट्रिक्स तथा सिटी यूनिवर्सिटी लंदन के 90 से भी अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

- संस्थान के विद्युत अभियाँत्रिकी छात्रों के लिए जून 7-26, 2010 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर और धीरूभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में **संसाधित्र शिल्पकला विषय पर ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन** किया गया था। इस पाठ्यक्रम में **प्रा. आर.एन.बिस्वास** (एन आई आई टी यूनिवर्सिटी, राजस्थान एवं पूर्व प्राध्यापक भा प्रौ सं कानपुर), **प्रा. डी.नाग चौधुरी** (डी ए आई आई सी टी तथा पूर्व में भा प्रौ सं दिल्ली), तथा **डॉ. कौशिक साह** (एस टी माइक्रोइलेक्ट्रानिक्स) ने व्याख्यान दिए। **प्रा. एस.चटर्जी**, डी ए आई आई सी टी तथा **प्रा. जॉयसी मेकी**, भा प्रौ सं गाँधीनगर इस पाठ्यक्रम के संयोजक थे।

- **भूकंपीय पुनर्स्थापन नीति पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला** का आयोजन **प्रा. सुधीर के जैन** द्वारा अक्तूबर 22, 2010 को किया गया। इस कार्यशाला को भारत सरकार के गृह एवं शहरी गरीबी निर्मूलन मंत्रालय ने प्रयोजित किया था।

- **कैडनेस डिजाइन सिस्टम्स** पर **श्री आर. भानुप्रकाश** तथा **श्री संतोष वी आर अवांच**, कैडनेस के द्वारा नवम्बर 30 से दिसम्बर 3, 2010 के दौरान एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । भा प्रौ सं गाँधीनगर के 20 तथा डी ए आई आई सी टी के 14 तथा वी जी ई सी के 3 छात्रों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । इसका समन्वयन **प्रा. जॉयसी मेकी** द्वारा किया गया ।

- **भारत में नाभिकीय पॉवर पर एक लघु परिसंवाद** का आयोजन मार्च 12, 2011 को किया गया था । **प्रा. एस.पी.सुखात्मे**, सम्मान्य प्राध्यापक, भा प्रौ सं मुंबई एवं परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व निदेशक, भा प्रौ सं मुंबई तथा भा प्रौ सं गाँधीनगर के मानद विशिष्ट प्राध्यापक इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । विशिष्ट व्याख्याता जैसे **श्री एस एस बजाज**, **श्री एस ए भारद्वाज**, **डॉ राकेश चावला**, **डॉ जे बी दोषी**, **डॉ मनफोर्ड ग्रॉल**, **डॉ कण्णन एन अय्यर**, **डॉ कोरे मैक्डैनियल** तथा **श्री गेरी टी उर्कहार्ट** ने इस परिसंवाद में अपना वयाख्यान दिया । इस परिसंवाद का प्रायोजन नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, परमाणु ऊर्जा नियमक बोर्ड, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, हिन्दुस्तान कन्सर्टक्शन कंपनी, वेस्टिंगहाऊस इलेक्ट्रिक कंपनी आदि ने किया । इस परिसंवाद का समन्वयन **प्रा. मनमोहन पाण्डेय** ने किया ।

- **प्रा. सुचित्रा माथुर**, भा प्रौ सं गाँधीनगर की अतिथि प्राध्यापिका ने मार्च 19, 2011 को **कौमिक सृजन : दृक् संचार की शक्ति** विषय पर एक अन्योन्याश्रित कार्यशाला का आयोजन किया । इस कार्यशाला में संस्थान के छः छात्रों तथा कुछ प्राध्यापकों ने भाग लिया ।

- **प्रा. कोशी थरकन** द्वारा **स्वास्थ्य पहेली : आरोग्योपचार की बीमारी एवं राजनीति** विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया । यह संगोष्ठी बलवंत पारेख सेंटर फॉर जनरल सेमेंटिक एण्ड अदर ह्यूमन साइंसेज, बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था ।

आमंत्रित व्याख्यान

संबंधित क्षेत्रों के प्रख्यात विशेषज्ञों ने निम्नांकित आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए । संस्थान के छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारीगण इन व्याख्यानों में उपस्थित रहे ।

- **प्राकृतिक परिचालन आधारित नाभिकीय भट्ठियों के मामले**, प्रवक्ता : **डॉ. एस.के.गुप्ता**, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सुरक्षा विश्लेषण एवं प्रलेखन प्रभाग, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड, मुंबई, अप्रैल 8, 2010.
- **मस्तिष्क यंत्र अन्योन्याश्रय**, प्रवक्ता : **प्रा. गोविन्दन रंगराजन**, प्राध्यापक, गणित विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर, अप्रैल 21, 2010.
- **अभियांत्रिकी शिक्षा एवं अनुसंधान में कार्य संभाव्यता**, प्रवक्ता : **प्रा. वी.गिरी**, विद्युत अभियाँत्रिकी विभाग, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन, जून 29, 2010.
- **अंकीय दुनिया की परिलब्धि**, प्रवक्ता : **डॉ. एन.सुब्रमणियन**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत एवं कम्प्यूटर अभियाँत्रिकी विभाग, टेक्सॉस विश्वविद्यालय, टाइलर, अमरीका, अगस्त 2, 1010.
- **अभियाँत्रिकी स्मार्ट तंत्र**, प्रवक्ता : **प्रा.के.मणि चाण्डी**, साइमन रेमो प्राध्यापक एवं प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पासाडेना, अमरीका, अगस्त 5, 2010.
- **माइक्रो एवं नैनो विद्युत-यांत्रिकीय तंत्र**, प्रवक्ता : **प्रा.जी.रविचन्द्रन**, जॉन ई गूदे कनिष्ठ प्राध्यापक, स्नातक वायुआकाश प्रयोगशाला, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पासाडेना, अमरीका, अगस्त 5, 2010.
- **अवरक्त, सौर एवं जैव-संवेदक प्रौद्योगिकी**, प्रवक्ता : **डॉ. के. चेल्वकुमार**, अध्यक्ष, ई पी आई आर टेक्नॉलाजिस, इंक, शिकागो, अमरीका, अगस्त 12, 2010.
- **भारत में हरित एवं सुरक्षित ऊर्जा**, प्रवक्ता : **श्री एच.एस.कुशवाहा**, पूर्व निदेशक, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण समूह, भाभा परमाणु ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र, मुंबई, अगस्त 16, 2010.
- **तरल यंत्रावली**, प्रवक्ता : **प्रा. एम्मुनल डेरिट**, पेरिस विश्वविद्यालय, औस्ट, फ्रांस, अगस्त 24, 2010.
- **बॉलीवूड एट लार्ज : बॉलीवूड की फिल्में कौन देख रहा है ?**, प्रवक्ता : **प्रा. अंजली गेरा राय**, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, सितम्बर 3, 2010.
- **पदार्थों की दुनिया : वर्तमान चलन, महत्वकाँक्षाएँ एवं चुनौतियाँ**, प्रवक्ता : **प्रा. एस.पी.मलहोत्रा**, प्राध्यापक, पदार्थ एवं धातुकी अभियाँत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, अक्तूबर 7, 2010.
- **नेटवर्क की दुनिया में सुरक्षा एवं गोपनीयता जोखिम अवरस्नातक अनुसंधान में एक अन्तदृष्टि**, प्रवक्ता : **प्रा. अतुल प्रकाश**, प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान, मिशिगन विश्वविद्यालय, अन्न आर्बर, नवम्बर 3, 2010.
- **अंकीय संकेत संसाधन : भविष्य का पथ**, प्रवक्ता : **संजीत के मित्रा**, दक्षिण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजल्स तथा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा, दिसम्बर 28, 2010,
- **डिजाइनर बनना**, प्रवक्ता : **संदीप पुराव**, पेन्न स्टेट विश्वविद्यालय, दिसम्बर 29, 2010.
- **इलेक्ट्रॉनिक तंत्रों के लिए ऊर्जा की चुनौतियाँ क्यों हैं ?**, प्रवक्ता : **प्रा. अमारा**, पेरिस इलेक्ट्रॉनिकी संस्थान (आई एस ई पी), सितम्बर, 30, 2010.

- **भारत एक विश्वशक्ति : संभावनाएँ एवं वस्तुस्थिति**, प्रवक्ता : **श्री राजमोहन गाँधी**, अनुसंधान प्राध्यापक, इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, जनवरी 5, 2011.
- **भेषजीय एवं अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों हेतु प्रगत कणाधारित पदार्थों की अभियाँत्रिकी**, प्रवक्ता : **प्रा. राजेश एन. दवे**, रासायनिक, जैविक एवं भेषजीय अभियाँत्रिकी के विशिष्ट प्राध्यापक, न्यूजर्सी प्रौद्योगिकी संस्थान, जनवरी 10, 2011.
- **अक्षमीतिय अभिकल्प सिद्धांतों का अनुप्रयोग कर अनुसंधान खोजों का संवर्द्धन**, प्रवक्ता : **प्रा. विपिन कुमार**, याँत्रिकी अभियाँत्रिकी विभाग, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीटल, जनवरी 13, 2011.
- **भा प्रौ सं छात्रों हेतु करिअर विकास**, प्रवक्ता : **प्रा. रवि भास्करन**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, जनवरी 17, 2011.
- **प्रा.नितेश वी. चावला**, नोटरडम विश्वविद्यालय ने जनवरी 14, 2011 को संस्थान का दौरा किया और यहाँ के छात्रों को नोटरडम विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर विज्ञान में हो रहे अनुसंधान से अवगत कराया ।
- **महिला एवं चुड़ैल तलाश**, प्रवक्ता : **प्रा. सोमा चौधुरी**, मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय, जनवरी 19, 2011.
- **यूएल-भा प्रौ सं गाँधीनगर अनुसंधान सहयोग**, प्रवक्ता, **डॉ. प्रविणराय डी. गाँधी**, निदेशक, कार्पोरेट अनुसंधान, अण्डरराइटर्स प्रयोगशाला इंक, शिकागो, अमरीका, जनवरी 26, 2011.
- **एक लेखक की यात्रा**, प्रवक्ता : **प्रा.चित्रा बनर्जी दिवाकरूनी**, ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, जनवरी 27, 2011.
- **धर्म और विज्ञान**, प्रवक्ता : **प्रा. रवि रवीन्द्र**, सम्मान्य प्राध्यापक, डलहौजी विश्वविद्यालय, हेलीफेक्स, कनाडा, जनवरी 28, 2011.
- **भविष्य की परिकल्पना : अभियाँत्रिकी विश्व**, प्रवक्ता : **प्रा. के.डी.पी.निगम**, रासायनिक अभियाँत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, फरवरी 8, 2011.
- **भविष्य के लिए अभियाँत्रिकी का महत्व**, प्रवक्ता : **प्रा. जेन-क्लाउडे बाडौ**, पूर्व अध्यक्ष, एकोले पॉलीटेक्निक फेडेराले डी लौउसाने, स्वीटजर्लैण्ड, फरवरी 25, 2011.
- **जैव ईंधन हेतु बेंतघास**, प्रवक्ता : **डॉ. गौतम शरत्**, अनुसंधान आणविक जैववैज्ञानिक, अनाज, चारा एवं जैवऊर्जा अनुसंधान एकक, नेब्रास्का विश्वविद्यालय, अमरीका, फरवरी 28, 2011.
- **टिकाऊ विकास : अभियाँत्रिकी, जीवविज्ञान एवं औषधि**, प्रवक्ता : **प्रा. अनुपम मधुकर**, कण्णथ टी नोर्रिस, अभियाँत्रिकी प्राध्यापक, जैवचिकित्सा अभियाँत्रिकी विभाग, रासायनिक अभियाँत्रिकी, पदार्थ विज्ञान एवं भौतिकी, दक्षिण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, मार्च 17, 2011.
- **क्या वर्तमान अभियाँत्रिकी परिप्रेक्ष्य का कोई भविष्य है ?**, प्रवक्ता : **डॉ. विजय स्टोक्स**, पूर्व प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (1964-1978) एवं जी ई (1978-2002), मार्च 24, 2011.
- **भारत में गरीब महिलाओं की लोकतांत्रिक सहभागिता, भारत के विकास पर भारतीय जनमानस का प्रभाव**, प्रवक्ता : **डॉ. रीना अग्रवाला**, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग, जॉन्स हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, मार्च 24, 2011.

पाठ्यक्रमेतर विषयों पर पाठ्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के सर्वाङ्गिण विकास हेतु पाठ्यक्रमेतर विषयों पर छोटे-मोटे पाठ्क्रम आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए कोई अतिथि प्राध्यापक एक विषय पर 8 से 10 व्याख्यानों का एक लघु पाठ्यक्रम संचालित करता है। संस्थान के छात्र, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण तथा अन्य संस्थानों के प्रतिभागी भी इन पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किए जाते हैं। तथापि, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के जो छात्र इन पाठ्यक्रमों में उपस्थित होते हैं, वे इसके लिए एक अंक भी अर्जित करते हैं और इसे उनके ग्रेड रिर्पोट में शामिल किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय महाविद्यालयों से बेहतर संपर्क बढ़ाने में भी मदद मिलती है। वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नांकित लघु पाठ्यक्रम आयोजित किए गये थे।

- **एक व्यावसायिक अभियंता का निर्माण : व्यावसायिक नैतिकता एवं विचारमंथन के औजार**, आयोजक : **प्रा. राज छाबरा**, रासायनिक अभियाँत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, अगस्त 7, 2011.
- **अभियंताओं के लिए उद्यमशीलता के अवसर**, आयोजक : **प्रा. अरविन्द के सिंघल**, अध्यक्ष, टेक्नोपार्क एडवाइजर्स प्रा.लि., गुडगाँव, अगस्त 21, 2010.
- **ब्रह्माण्डविज्ञान हमारे ब्रह्माण्ड की कथा**, आयोजक : **डॉ. राघवन रंगराजन**, भौतिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद, अगस्त 21-22, 2010.
- **ऊर्जा दक्षता : एक विहंगावलोकन**, आयोजक : **श्री वीरेन्द्र एस. कोठारी**, निदेशक, इन्नोटेम सर्विसेज प्रा.लि., नई दिल्ली, अक्तूबर 23-24, 2010.
- **पढ़ने का आनंद : साहित्याध्ययन की प्रस्तावना**, आयोजक : **डॉ. सुचित्रा माथुर**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, अक्तूबर 11-13, 2010.
- **आणविक क्रमादेशन की संभावनाएँ**, आयोजक : **श्री निरंजन श्रीनिवास**, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, जनवरी 1-2, 2011.
- **तकनीकी अन्वेषण**, आयोजक : **डॉ. सी वी नटराज**, भा वि संस्थान बंगलौर, डॉ. एम वी शंकर, हॉनीवेल टेक्नॉलॉजी सलुसन्स लैब प्रा. लि., बंगलौर एवं डॉ. बालचन्द्र रामादुराई, माइण्ड ट्री, बंगलौर, जनवरी 1-2, 2011.
- **टिकाऊ व्यवसाय की सफलता में तकनीकी अन्वेषण के रूपांतर का विषयाध्ययन**, आयोजक : **डॉ. निखिल बलराम**, अध्यक्ष, रिक्को इन्नोवेसन्स, अमरीका तथा अतिथि प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, मार्च 18-19, 2011.